वश्व रेडक्रोस दिवस-2016 की पूर्व संध्या पर माननीय राज्यपाल श्री ओ. पी. कोहली जी का संदेश।

राज भवन, 7 मई, 2016

8 मई को वश्वभर में मनाए जा रहे अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रोस एवं रेड क्रसेन्ट दिवस की पूर्व संध्या पर गुजरात के सभी नागरिकों को संबोधत करते हुए मुझे हर्ष की अनुभूति हो रही है।

8 मई रेडक्रोस संस्था के संस्थापक सर हेनेरी डयुनान्ट का जन्म दिवस है। प्रति वर्ष 8 मई को उनका जन्म दिवस अन्तर्राष्ट्रीय रेडक्रोस फैडरेशन तथा रेडक्रोस की अन्तर्राष्ट्रीय समति द्वारा कसी एक महत्वपूर्ण वषयवस्तु को लेकर "वश्व रेडक्रोस दिवस" के रूप में मनाया जाता है।

इस साल वश्व रेडक्रोस/रेड क्रेसेन्ट दिवस का वषय है -"सब जगह सबके लये। इसका मुख्य उद्देश्य रेडक्रोस के उन तमाम स्वयंसेवक, कर्मचारी तथा लाभा थयों को उनकी रेडक्रोस से जुडी सफलता कथा अपने दोस्तों और परिवार वालों को बताने के लए प्रोत्साहित करना है। ऐसी सफल कहानीयों का सोसायटी द्वारा आम जनता की जानकारी के लए व्यापक तौर पर प्रचार कया जायेगा। यह कहानियां दुनिया के हर एक कोने और लोगों के बीच रेडक्रोस और उसके द्वारा की जा रही मानवतावादी सेवाओं के बारे में जागरूक्ता पैदा करेंगी और साथ ही उन को रेडक्रोस की कल्याणकारी सेवाओं के साथ नजदीक से जुडने के लए प्रेरित भी करेंगी।

गुजरात रेडक्रोस एक मुख्य समाजसेवी संस्था के रूप में मानवीय कल्याण के कार्य जरूरतमंद तथा कमजोर तबके के लोगों के लए कर रही है। रेडक्रोस के द्वारा राज्यभर में 15 स्वैच्छिक रक्तदान केन्द्र का संचालन कया जा रहा है, जिससे करीब 1.5 लाख यूनिट सुरक्षत रक्त जरूरतमंद मरीजों को उपलब्ध कराया जाता है। हर साल हजारों की संख्या में जरूरतमंद बच्चों का नि: शुल्क ब्लड

ट्रान्स्फ्युजन कया जाता है। गुजरात रेडक्रोस के द्वारा चलाया जा रहा थेले समीया एवं सकलसेल ऐने मया रोकथाम कार्यक्रम सफलता पूर्वक चल रहा है। इस कार्यक्रम के तहत मार्च-2016 तक 20 लाख कोलेज छात्रों का थेले समीया तथा 6 लाख छात्रों का सकलसेल का परीक्षण हो चुका है। 2,50,000 गर्भवती माताओं का थेले समीया परिक्षण हो चुका है तथा जिसके द्वारा 184 थेले समीया मेजर अजन्मे बालकों का जन्म रोका जा सका है। इसके अलावा रेडक्रोस के द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं, प्राथ मक उपचार एवं आपदा प्रबंधन प्र शक्षण, जुनियर एवं यूथ रेडक्रोस कार्यक्रम, आर्टीफीश्यल लम्ब सेन्टर, टीबी नियंत्रण प्रकल्प, फजीयोथेरापी एवं सेरिब्रल पाल्सी सेन्टर आदि चलाये जा रहे हैं। रेडक्रोस में वरिष्ठ नागरिकों के लए घर "वात्सल्य" सफलतापूर्वक चल रहा है, जिसमें 35 वरिष्ठजन सभी उपलब्ध सु वधाओं के साथ निवास कर रहे है।

रेडक्रोस जिला एवं तहसील शाखाएं- च कत्सालय, प्रयोगशाला, मातृत्व एवं परिवार कल्याण केन्द्र, फजीयोथेरापी केन्द्र और टीकाकरण केन्द्र आदि के साथ सफलतापूर्वक जुडी हुई हैं, जिससे अ धक संख्या में जरूरतमंद लोगों को लाभ मल रहा है। इसके अतिरिक्त रेडक्रोस शाखाएं चक्षुदान एवं देहदान, HIV/AIDS निदान, केन्सर, टीबी और ऐसी दूसरी जानलेवा बीमारियों के प्रति जागरूक्ता बढाने के कार्यक्रमों में स क्रय रूप से अपनी भू मका निभा रही हैं। जूनियर और यूथ रेडक्रोस कार्यक्रम के अन्तर्गत वध्यार्थी और युवा बडी संख्या में मानवतावादी कार्यो में स क्रय भू मका निभाने के लए प्रेरित तथा प्रोत्साहित हो रहे है।

आज के इस अवसर पर मैं सभी रेडक्रोस कार्यकर्ता एवं स्वयंसेवकों को इन मानवीय सेवा कार्यो में दिए गए निः स्वार्थ योगदान के लए बहु-बहुत बधाई देता

हूं और गुजरात के नागरिकों से आग्रह करना चाहता हूं क वे रेडक्रोस संस्था के मानवीय सेवाकार्यों में आगे बढकर हिस्सा लें और समाज के दु:खी-पी डत और जरूरतमंद लोगों की सेवा में सहयोगी बने।

——————————————————————————————————————